कक्षा -8

पाठ --7 नवयुवकों के प्रति

(मैथिलीशरण गुप्त)

कविता की सप्रसंग व्याख्या

(क) हे नवयुवाओ ! देश भर की --------आजकल संसार में ॥।

प्रसंग :-- प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ आठवीं कक्षा की हिंदी पुस्तक में संकलित कवि श्री 'मैथिलीशरण गुप्त' की कविता 'नवयुवकों के प्रति 'में से ली गईं हैं | जिसमें कवि ने देश के नवयुवकों को देश के उद्धार और उन्नति हेतु योगदान देने के लिए प्रेरित किया है |

व्याख्या :--कवि देश के नवयुवकों को कहता है कि देश आज केवल तुम्हारी ओर देख रहा है |तुम से मानव जीवन की ज्योति प्रकाशित है |तुम आज अगर अपने देश की उन्नति में अपना योगदान नहीं दोगे तो कौन देगा ? यह तुम्हारा ही कर्त्तव्य बनता है, तुम देखो कि आज संसार में क्या हो रहा है | तुम ही अपने देश को विकास की राह में आगे ले जा सकते हो |

विशेष :- सरल भाषा का प्रयोग |

नवयुवकों को जगाने का प्रयास |

देश भक्ति का भाव |

Scanned with CamScanner

(ख) जो कुछ पढो तुम कार्य -------दुर्लभ और वह भी अधिक रहता है |

प्रसंग :-- प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ आठवीं कक्षा की हिंदी पुस्तक में संकलित प्रसिद्ध कवि श्री 'मैथिलीशरण गुप्त' की कविता 'नवयुवकों के प्रति 'में से ली गईं हैं|कवि ने देश के नवयुवकों को भक्त प्रहलाद के उत्तम सन्देश को मन में धारण कर उसे अपनाने के लिए कहा है |

व्याख्या :-- कवि कहता है कि तुम अपने जीवन में जो भी ज्ञान लो अथवा पढ़ो उसे अपने व्यावहारिक जीवन में भी अपनाओ |तुम अपने मन में भक्त प्रहलाद की उक्ति को अपना लो और अपनी युवा अवस्था में ही भागवत धर्म का पालन करो | अर्थात् अपना ज्ञान अपने कार्यों में प्रयोग करो क्योंकि मानव जीवन बहुत ही छोटा और दुर्लभ है|इस जीवन को बेकार न जाने दो |

विशेष :- भक्त प्रहलाद की उक्ति का उदाहरण दिया|

भागवत धर्म के आचरण पर बल|

सरल भाषा का प्रयोग |

Scanned with CamScanner

(ग) दो पथ, असंयम और संयम --------तो फिर न संभलोगे कभी ||

प्रसंग -- प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ आठवीं कक्षा की हिंदी पुस्तक में संकलित प्रसिद्ध कवि श्री 'मैथिलीशरण गुप्त' की कविता 'नवयुवकों के प्रति 'में से ली गईं हैं | जिसमें कवि ने देश के नवयुवकों को शुभ कर्म के लिए प्रेरित किया है|

व्याख्या :--कवि देश के नवयुवकों को कहता है कि जीवन में तुम्हारे सामने दो रास्ते हैं| एक अशुभ और दूसरा शुभ |तुम्हारा मन तुम्हें अशुभ की ओर झुकायेगा |तुम अशुभ पथ की ओर भागोगे |अगर तुमने उचित समय पर शुभ पथ का चुनाव कर लिया तो तुम अपने जीवन को संवार पाओगे | अगर तुम उचित समय पर नहीं सम्भले तो जीवन में कभी सम्भल नहीं पाओगे |

विशेष :- युवाओं को शुभ कर्म के लिए उचित निर्णय लेने के लिए कहा है |

सरल भाषा का प्रयोग|

Scanned with CamScanner

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਸ਼ੁਭ	=	शुभ	ਅੱਜ ਕੱਲ	=	आजकल
ਸੰਸਾਰ	=	संसार	ਜਨਮ	=	जन्म
ਜੋਤੀ	=	ज्योति	ਜੀਵਨ	=	जीवन

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिन्दी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਨਜ਼ਰ	=	दृष्टि	ਬਦਲਨਾ	=	परिणत
ਹਿੱਸਾ, ਯੋਗਦਾਨ	=	योग	ਪਹਿਲਾ	=	प्रथम

3. शब्दार्थ :-

भक्तवर	=	भक्तों में श्रेष्ठ
देशोद्धार	=	देश का उद्धार करना

योग	=	सहयोग
कौमार	=	कुमार/यौवन की अवस्था
निम्नोक्ति	=	नीचे लिखी उक्ति या कथन
धर्माचरण	=	धर्म के अनुसार आचरण/व्यवहार करना
धरो	=	धारण करना

Scanned with CamScanner

भाग -4

प्र(क) - कविता के कवि का नाम लिखें |

उत्तर --कविता के कवि का नाम मैथिलीशरण गुप्त है |

प्र(ख)- यह कविता किन्हें सम्बोधित की गई है ?

उत्तर - यह कविता नवयुवकों को सम्बोधित की गई है |

प्र(ग)-- ' जो कुछ पढ़ो तुम कार्य में भी परिणत करो |' इस काव्य - पंक्ति का अर्थ लिखें |

उत्तर - प्रस्तुत पंक्ति का अर्थ है कि इस देश के नवयुवको , तुम जो भी शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करते हो , उसका प्रयोग अपने व्यावहारिक जीवन में भी करो |

प्र(घ)-- नवयुवकों के सम्मुख कौन -कौन से दो पथ हैं? उन्हें किस पथ का चुनाव करना चाहिए ?

उत्तर - नवयुवकों के सम्मुख असंयम और संयम नाम के दो पथ हैं | उन्हें जीवन में केवल संयम का चुनाव करना चाहिए |

प्र(ङ)--इन काव्य-पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें:- दो पथ असंयम ---------- संभालोगे कभी |

उत्तर - व्याख्या ' भाग ग '

**********@@**********

Scanned with CamScanner

भाग -- 5

इन शब्दों के दो- दो पर्यायवाची शब्द लिखें :-

मनुज ---- मानव , मनुष्य

ज्योति ---- प्रकाश , उजाला

संसार ---- दुनिया , सृष्टि

पथ ---- मार्ग , रास्ता

Scanned with CamScanner

भाग -- 6

विपरीत शब्द बनायें :-

अ + संयम == असंयम

अ +शुभ == अशुभ

अ +धर्म == अधर्म

अ +विश्वास == अविश्वास

शिक्षा विभाग, पंजाब

मार्गदर्शक -डॉ॰ सुनील बहल, सहायक निदेशक एस. सी. ई.आर. टी पंजाब

लेखन और संयोजन :डॉ॰ अनुराधा शर्मा (एम. फिल,पीएच.डी)

हिंदी अध्यापिका स.स.स स्कूल नौशहरा नाल बंदा , ज़िला –पठानकोट

संशोधन : रमेश कुमार ,हिंदी मास्टर

सरकारी हाई स्कूल, पंजोड़ , ज़िला –पठानकोट

Scanned with CamScanner